दीप्ति टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर 1

श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पछाड़ा

737 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचीं

दुबई, 23 दिसंबर ।भारतीय महिला क्रिकेट के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ, जब स्टार स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पहली बार आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में 1/20 के प्रभावशाली गेंदबाजी प्रदर्शन ने दीप्ति को यह मुकाम दिलाया, जहां वह ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को महज एक रेटिंग अंक से पीछे छोड़ने में सफल रहीं।

आईसीसी द्वारा जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार दीप्ति शर्मा के पास अब टी20 गेंदबाजी में 737 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय पर आई है जब टी20 क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में शामिल किया जा चुका है। ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच साबित हो सकती है, और दीप्ति का नंबर-1 बनना इस दिशा में भारत की मजबूत दावेदारी को दिखाता है।

दीप्ति शर्मा लंबे समय से भारतीय महिला टीम की सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में गिनी जाती रही हैं। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक 130 मुकाबले खेले हैं, जिनमें 18.99 की शानदार औसत और 6.11 की किफायती इकॉनमी रेट से कुल 148 विकेट झटके हैं। यह आंकड़े साफ तौर पर बताते हैं कि वह न सिर्फ विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, बल्कि रन रोकने में भी टीम के लिए बेहद अहम भूमिका निभाती हैं।

भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति के बाद रेणुका सिंह ठाकुर का नाम आता है, जिन्होंने आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 14वां स्थान हासिल किया है। हालांकि, दीप्ति की निरंतरता और बड़े मौकों पर प्रभावी प्रदर्शन उन्हें बाकी गेंदबाजों से अलग बनाता है। गेंदबाजी के साथ-साथ दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता भी उन्हें खास बनाती है। वह वर्तमान में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उनसे आगे केवल वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर मौजूद हैं। यह रैंकिंग इस बात का सबूत है कि दीप्ति सिर्फ एक स्पेशलिस्ट गेंदबाज नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाली ऑलराउंडर हैं।

वनडे फॉर्मेट में भी दीप्ति का प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। महिला वनडे विश्व कप 2025 में उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। इसके बाद जारी रैंकिंग में वह वनडे गेंदबाजों की सूची में पांचवें और ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। तीनों फॉर्मेट में उनका टॉप-लेवल पर बने रहना उनकी फिटनेस, स्किल और मेंटल स्ट्रेंथ को दर्शाता है।

> महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भी भारत का दबदबा बना हुआ है। स्टार ओपनर स्मृति मंधाना शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल रहते हुए तीसरे स्थान पर कायम हैं। वहीं, विशाखापत्तनम में खेले गए पहले भारत-श्रीलंका टी20 मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं जेमिमा रोड्रिग्स ने पांच पायदान की छलांग लगाकर नौवां स्थान हासिल किया है। यह भारतीय महिला बल्लेबाजी लाइन-अप की गहराई को दिखाता है। पुरुष टी20 रैंकिंग में भी भारत का प्रदर्शन दमदार बना हुआ है। बल्लेबाजी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा और गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर कायम हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के हीरो तिलक वर्मा बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या चौथे स्थान पर रहकर भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले टी20 ऑलराउंडर बने हुए हैं।

तीसरे स्थान पर महिला टीम

टी20 टीम रैंकिंग की बात करें तो भारतीय मेंस टीम विश्व में पहले स्थान पर बनी हुई है, जबकि महिला टीम तीसरे स्थान पर काबिज है। दीप्ति शर्मा की नंबर-1 रैंकिंग न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत और वैश्विक पहचान का भी प्रतीक है।कुल मिलाकर, दीप्ति शर्मा का आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना भारतीय क्रिकेट के लिए एक मजबूत संदेश है—कि महिला क्रिकेट अब सिर्फ प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्थिति में भी खड़ा है।

सीओई में होगा विजय हज़ारे मुकाबला

इस मैच में विराट कोहली और ऋषभ पंत की मौजूदगी तय

बेंगलुरु, 23 दिसंबर. सुरक्षा और प्रशासनिक चिंताओं के चलते कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को एक बार फिर विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के वेन्यू में बड़ा बदलाव करना पड़ा है। विराट कोहली और ऋषभ पंत जैसे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले सभी मुकाबले अब एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की बजाय बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) में खेले जाएंगे।

इस फैसले के तहत बुधवार को दिल्ली और आंध्र के बीच होने वाला उद्घाटन मुकाबला भी नए स्थान पर आयोजित किया जाएगा।

केएससीए को इस बदलाव की जानकारी मंगलवार सुबह कर्नाटक के गृह मंत्रालय की ओर से दी गई। बताया गया कि मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था, अधूरे सुधार कार्य और छुट्टियों के मौसम में भीड़ प्रबंधन को लेकर सरकार किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती। निर्देश स्पष्ट थे—चिन्नास्वामी स्टेडियम में फिलहाल किसी भी बड़े घरेलू आयोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब केएससीए पहले ही लॉजिस्टिक और सुरक्षा कारणों से कई बार वेन्यू में बदलाव कर चुका है। दो सप्ताह पहले ही कुछ मुकाबलों को अलूर से हटाकर चिन्नास्वामी स्टेडियम में लाया गया था, खासतौर पर कोहली और पंत से जुड़े मैचों को लेकर।

उस समय एसोसिएशन ने भरोसा जताया था कि सीमित दर्शकों के साथ आयोजन संभव है और दो स्टैंड खोलकर 2000 से 3000 दर्शकों को प्रवेश दिया जा सकता है। हालांकि, केएससीए के इस प्रस्ताव को राज्य सरकार की ओर से कड़ा विरोध झेलना पड़ा। सरकार ने संभावित सुरक्षा और अनुपालन संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया।

> चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास चिन्हित कई क्षेत्रों में अभी भी सुधार और मरम्मत का काम अधूरा है, जो बड़े आयोजन के लिए खतरा पैदा कर सकता है। सोमवार को कर्नाटक सरकार द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण किया था। इस समिति में पुलिस, लोक निर्माण विभाग और अग्नि सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। निरीक्षण के बाद समिति ने एक रिपोर्ट सरकार को सौंपी, जिसके आधार पर यह फैसला लिया गया। रिपोर्ट में सुरक्षा खामियों और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए।

> राज्य सरकार विशेष रूप से छुट्टियों के सीज़न को लेकर सतर्क थी। क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान बेंगलुरु के मध्य इलाकों में पहले से ही भारी भीड़ रहती है, और ऐसे में चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास किसी भी तरह की अव्यवस्था सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकती थी। इसके उलट, बीसीसीआई का सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस अपेक्षाकृत नियंत्रित और सीमित पहुंच वाला परिसर है। एयरोस्पेस पार्क क्षेत्र में स्थित इस परिसर में पहले भी दलीप ट्रॉफ़ी, महिला विश्व कप के अभ्यास मैच और भारत 'ए' बनाम दक्षिण अफ़्रीका 'ए' सीरीज जैसे आयोजन सफलतापूर्वक बंद दरवाज़ों के पीछे कराए जा चुके हैं।

एक नजर में

रो-को और स्काई पर रहेगी नजर

मुंबई. हमेशा की तरह, बड़ी हस्तियों पर सबकी नजर है, लेकिन सबसे ज़्यादा, यह लेटेस्ट विजय हजारे ट्रॉफी कम जाने-माने खिलाड़ियों के लिए अपनी जगह बनाने और सुर्खियों में आने का एक मौका है। पिछली बार जब विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी खेली थी, तब भारत ने 2011 में अपना दूसरा पुरुष वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीता था, सचिन तेंदुलकर अभी भी भारत के वनडे ओपनर थे, एमएस धोनी वनडे और टेस्ट कप्तान थे, और राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण अभी रिटायर नहीं हुए थे। और कोहली ने खुद अभी तक भारत की सफेद जर्सी नहीं पहनी थी। लगभग 16 साल बाद, कोहली (और रोहित शर्मा) दो फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं, और सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं, एक ऐसा फॉर्मेट जो अक्सर क्रिकेट कैलेंडर में तीसरा सबसे महत्वपूर्ण होता है। उनकी लंबी उम्र पर पहले से कहीं ज़्यादा नजर है, उनकी वापसी - रोहित आखिरी बार 2017-18 में इस टूर्नामेंट में खेले थे - 2027 वर्ल्ड कप की ओर बढ़ते रहने का साफ इरादा दिखाती है, जिससे 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी को अपने आप ही एक बड़ा दर्जा मिल जाता है। हालांकि, पिछले साल के उलट, जब कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी ने फिरोज शाह कोटला में तीन दिनों तक बड़ी भीड़ खींची थी, बेंगलुरु में फैंस को ऐसा मौका नहीं मिलेगा। मूल रूप से अलूर में और फिर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच, चिन्नास्वामी के आसपास भीड़भाड़ से बचने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिफ्ट कर दिए गए हैं, जो अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद के हालात से निपट रहा है।

सीमर जैकब का लक्ष्य डब्ल्यूटीसी में कामयाबी

वेलिंगटन. न्यूजीलैंड ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की रेस शुरू कर दी है, और जैकब डफी पहले से ही उन चुनौतियों के बारे में सोच रहे हैं जो उनके करियर के अगले फेज को तय कर सकती हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अनुसार, ब्लैक कैप्स, जो अभी चल रहे डब्ल्यूटीसी चक्र में घर पर वेस्टइंडीज को 2-0 से हराने के बाद दूसरे स्थान पर हैं, उनके सामने एक मुश्किल रास्ता है, जिसमें भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज और इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बड़े टूर शामिल हैं। एक ऐसी टीम के लिए जो पहली डब्ल्यूटीसी विजेता थी, ये मैच एक और टाइटल जीतने की कोशिश में बहुत मायने रखते हैं।

एक ओवर में पांच विकेट लेकर रचा इतिहास

बाली. इंडोनेशिया के 28 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ गीड प्रियांदना ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच (जहां फ़ॉल-ऑफ़-विकेट्स का आंकड़ा उपलब्ध है) के एक ओवर में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज (पुरुष या महिला क्रिकेट मिलाकर) बन गए हैं। उन्होंने यह कारनामा मंगलवार को बाली में कंबोडिया के ख़िलाफ पहले टी20 में किया। प्रियांदना ने यह कारनामा तब किया, जब 168 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही कंबोडिया की टीम 15 ओवर में पांच विकेट पर 106 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी।

पीएम मोदी से मिले नीरज और उनकी पत्नी

खेलों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की

नयी दिल्ली, 23 दिसम्बर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने उनके आवास पर हुई इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में फोटो साझा करते हुए यह जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा , आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। हमने खेलों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के शुरू में श्री मोदी ने फिटनेस को बढावा देने के नीरज चोपड़ा के प्रयासों की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की थी। फिट इंडिया योजना के महत्व पर नीरज चोपड़ा के लेख पर प्रतिक्रिया करते हुए श्री मोदी ने कहा था कि यह दूरदर्शी और प्रेरक लेख मोटापे से लड़ने और स्वस्थ रहने की जरूरत पर बल देता है।

नीरज चोपड़ा ट्रैक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धा में भाला फेंकने वाले खिलाड़ी हैं।

> नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है। अभिनव बिंद्रा के बाद किसी विश्व चैम्पियनशिप स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। हालांकि नीरज चोपड़ा के लिए साल 2025 काफी उतार-चढाव वाला रहा। उन्होंने दोहा में खेले गए डायमंड लीग में भाला फेंक में 90 मीटर की दूरी हासिल की थी. हालांकि, इसी साल टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में वो मेडल जीतने में नाकाम रहे थे।

महिला घरेलू क्रिकेट मैच की फ़ीस दोगुना से ऊपर हुई

मुंबई. बीसीसीआई ने महिला घरेलू क्रिकेट में मैच फ़ीस बढ़ा दी है। सीनियर प्रतियोगिताओं में पहली एकादश में खेलने वाली खिलाड़ियों के लिए यह फ़ीस 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति दिन कर दी गई है। यह फ़ैसला सोमवार को मुंबई में हुई एपेक्स काउंसिल की बैठक में लिया गया। रिज़र्व खिलाड़ियों को इसका आधा यानी 25,000 रुपये प्रति दिन मिलेगा। आयु-वर्ग स्तर पर भी संशोधन किया गया है, जहां पहली एकादश का हिस्सा बनने वाली खिलाड़ियों को 25,000 रुपये प्रति दिन और रिज़र्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये प्रति दिन मिलेंगे।

68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं

नेवी के किरण अंकुश जाधव ने स्वर्ण जीता

भोपाल, 23 दिसंबर. नेवी के किरण अंकुश जाधव ने मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल में संयमित और निरंतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जाधव ने 252.1 अंकों के साथ प्रतियोगिता समाप्त की और ओलंपियन अर्जुन बाबूता को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 251.4 अंकों के साथ रजत पदक जीता। मौजूदा 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स राष्ट्रीय चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 229.8 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

रेलवे के शहू तुषार माने 209.3 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। उनके बाद हिमांशु ने 181.1, रमायणा तोमर ने 166.7, ओंकार विकास वाघमारे ने 145.4 और प्रदीप सिंह ने 123.3 अंकों के साथ फाइनल लाइन-अप पूरा किया। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष जूनियर फाइनल में गुजरात के मोहम्मद मुरतज़ा वानिया ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 254.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। पश्चिम बंगाल के अभिनव शॉ ने 251.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि कर्नाटक के ओंकार विकास वाघमारे ने 230.1 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। कर्नाटक के नारायण प्रणव 209 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जिन्हें ओंकार के साथ शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा। दिव्यांशु शैलेंद्र देवांगन 187.5 अंकों के साथ पांचवें और पार्थ माने 166.9 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे, जहां पार्थ भी शूट-ऑफ के बाद बाहर हुए। उमा महेश मद्दिनेनी ने 145.3 और हिमांशु ने 123 अंकों के साथ फाइनलिस्ट सूची पूरी की।

हॉकी इंडिया लीग

हॉकी इंडिया लीग के नए सीजन में पुरुषों और महिलाओं—दोनों टीमों की कमान पुराने लीडर्स के हाथ

सूरमा हॉकी क्लब ने बरकरार रखी कप्तानी

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर. सूरमा हॉकी क्लब (एसएचसी) ने हॉकी इंडिया लीग के आगामी सीजन से पहले एक साफ संदेश दे दिया है टीम में बदलाव से ज़्यादा भरोसे को अहमियत।

इसी सोच के तहत क्लब ने अपनी लीडरशिप यूनिट को बरकरार रखते हुए पुरुष टीम की कप्तानी एक बार फिर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी है, जबकि महिला टीम में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और मिडफील्डर सलीमा टेटे सह-कप्तान बनी रहेंगी।

क्लब की ओर से जारी प्रेस रिलीज में साफ किया गया कि यह फैसला सिर्फ नामों के आधार पर नहीं, बल्कि पिछले सीजन के प्रदर्शन, मैदान के भीतर फैसले लेने की क्षमता और ड्रेसिंग रूम में प्रभाव को ध्यान में रखकर लिया गया है।

सूरमा हॉकी क्लब के लिए यह निरंतरता रणनीति का अहम हिस्सा मानी जा रही है, खासकर ऐसे समय में जब हॉकी इंडिया लीग दोनों वर्गों में और ज्यादा प्रतिस्पर्धी होती जा रही है। उनकी खासियत सिर्फ ड्रैग-फ्लिक तक सीमित नहीं है। डिफेंस में उनका शांत स्वभाव, सही समय पर रिस्क लेने की क्षमता और बड़े मैचों में दबाव झेलने का अनुभव टीम को स्थिरता देता है।

> **हरमनप्रीत : कप्तानी का भरोसेमंद चेहरा**
>
> पुरुष टीम की बात करें तो हरमनप्रीत सिंह आज सिर्फ एक डिफेंडर नहीं, बल्कि पूरे भारतीय हॉकी सिस्टम के सबसे प्रभावशाली लीडर्स में गिने जाते हैं। भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर ओलंपिक और एशियाई खेलों में पदक जीत चुके हरमनप्रीत ने पिछले सीजन में सूरमा हॉकी क्लब को तीसरे स्थान तक पहुंचाया था।